व्हाट्सएप द्वारा भारत में UPI सेवा प्रारंभ

प्रलिम्सि के लयि:

भारतीय राष्ट्रीय भुगतान नगिम

मेन्स के लयि:

भारत में ऑनलाइन भुगतान से संबंधति मुद्दे

चर्चा में क्यों?

हाल ही में व्हाट्सएप (फेसबुक की एक इकाई) ने 'भारतीय राष्ट्रीय भुगतान नगिम' (National Payments Corporation of India- NPCI) द्वारा अनुमोदन के बाद भुगतान सेवाओं की शुरुआत की है।

प्रमुख बदिु?

- NPCI ने 'थर्ड पार्टी एप प्रोवाइडर' (TPA) द्वारा संसाधति एकीकृत भुगतान इंटरफेस (UPI) लेनदेन की कुल मात्रा पर 30% कैप लगाई है, जसि जनवरी 2021 से लागू कयि गया है। व्हाट्सएप को भी इस नवीन व्यवस्था का पालन करना होगा।
- यह एक ऐसी प्रणाली है जो एक मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से कई बैंक खातों का संचालन, वभिन्नि बैंकों की वशिषताओं का समायोजन, नधियों का नरि्बाध आवागमन और एक ही अंब्रेला प्रणाली के अंतर्गत व्यापरयों का भुगतान कयि जा सकता है।

भारत में व्हाट्सएप UPI:

- लोग UPI समर्थति एप का उपयोग करके कसिी को भी व्हाट्सएप पर पैसे भेज सकते हैं।
- यह भारत में पाँच अग्रणी बैंकों आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक, भारतीय स्टेट बैंक और जयिो पेमेंट्स बैंक के साथ मलिकर कार्य कर रहा है।
- हालांकि, भारत में सभी उपयोगकर्त्ता भुगतान सुवधिाओं तक पहुँच स्थापति नहीं कर पाएंगे क्योंकि NPCI ने व्हाट्सएप के UPI उपयोगकर्त्ताओं के आधार का वसि्तार क्रमबद्ध तरीके से अधकितम 20 मलियिन पंजीकृत उपयोगकर्त्ताओं के साथ शुरू करने के नरि्देश दयि हैं।
- भारत व्हाट्सएप के सबसे बड़े बाज़ारों में से एक है, जसिने सबसे पहले वर्ष 2018 में अपनी UPI- आधारति भुगतान प्रणाली का परीक्षण शुरू कयि और अब वह मौजूदा कंपनयिों जैसे कि Paytm, Google Pay, Amazon Pay और PhonePe से प्रतसि्पर्द्धा करेगा।

30% कैप का प्रभाव:

- ये दशि-नरि्देश कसिी भी इकाई को संचालन में होने के लयि कुल लेन-देन की मात्रा का 30% से अधकि कैप नरि्धारति करते हैं। हालांकि, उक्त बाज़ार हसि्सेदारी से अधकि का पालन करने के लयि संस्थाओं को वर्ष 2023 तक का समय दयि गया है।
- कैप की गणना रोलगि के आधार पर पूर्ववर्ती तीन महीनों के दौरान UPI में संसाधति लेन-देन की कुल मात्रा के आधार पर की जाएगी।
- UPI लेन-देन की मात्रा में हालयि वृद्धि को देखते हुए, NPCI ने UPI पारसि्थतिकी तंत्र में जोखमिों का वशि्लेषण कयि और कैप पेश कयि।
- UPI ट्रांज़ेक्शन वॉल्यूम पर 30% कैप का वचिार पहली बार वर्ष 2019 में NPCI की संचालन समति की बैठक में लाया गया था, जसिके बाद गैर-बैंकगि तृतीय-पक्ष एप प्रदाताओं के साथ बढ़ते प्रभुत्व की चतिाओं को उठाया गया था।
- अक्तूबर 2019 तक, गूगल पे और फोनपे ने अपने प्लेटफार्मों पर UPI में लगभग 80% लेन-देन की मात्रा का अनुमान लगाया था।
- NPCI को अभी तक UPI इकोससि्टम के जोखमि का आकलन जारी करना बाकी है, जसिके आधार पर नए मानदंड लाए गए थे और लेन-देन की मात्रा पर नए शुरू कयि गए प्रतबिंधों के लयि मानक संचालन प्रक्रयि (SOP) लाई गई है।
- व्हाट्सएप UPI की शुरुआत के बाद एक अन्य कारण लेन-देन की मात्रा में अचानक वृद्धि से बैंकगि सुवधिाओं पर अतरिक्ति भार बढ़ेगा।

भारतीय राष्ट्रीय भुगतान नगिम

- यह भारत में सभी खुदरा भुगतान प्रणालियों के लिये एक अंब्रेला संगठन है।
- यह भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) और भारतीय बैंक संघ (IBA) के मार्गदर्शन और समर्थन के साथ स्थापित किया गया था।

उद्देश्य:

- सभी खुदरा भुगतान की कई मौजूदा प्रणालियों को एक राष्ट्रव्यापी नीति और मानक व्यापार प्रक्रिया में समेकित और एकीकृत करने हेतु।
- देश भर में आम आदमी को लाभान्वित करने और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के लिये एक सस्ती भुगतान प्रणाली की सुविधा हेतु।

आगे का राह

- भारत में डिजिटल भुगतान अभी भी अपने विकास के चरण में है और इस बिंदु पर किसी भी हस्तक्षेप को उपभोक्ता की पसंद और नवाचार में तेज़ी लाने के लिये बनाया जाना चाहिये। यह विकल्प आधारित और खुला मॉडल इस गति से संचालित करने के लिये महत्त्वपूर्ण है।
- 30% कैप का उन सैकड़ों लाखों उपयोगकर्त्ताओं के लिये निहितार्थ है जो अपने दैनिक भुगतान के लिये UPI का उपयोग करते हैं।

स्रोत-द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/whats-app-launched-upi-service